

खोदवाना स.क्रि. (देश.) खोदने में लगाना, खोदने का काम करवाना।

खोदाई स्त्री. (देश.) 1. खोदने का काम 2. खोदने की मजदूरी 3. कड़ी वस्तु पर नोकदार चीज से अंक, बेल बूटे बनाने का काम।

खोना स.क्रि. (देश.) 1. गँवाना, पास की वस्तु का निकल जाना 2. भूल से किसी वस्तु को कहीं छोड़ आना 3. खराब होना, बिगड़ना, नष्ट होना जैसे- दुर्घटना में उसने अपनी आंखें खो दी।

खोपड़ा पुं. (देश.) 1. सिर, कपाल 2. गरी का गोला 3. नारियल 4. भिक्षुकों का खप्पर जिसमें वे भीख लेते हैं।

खोपड़ी स्त्री. (तद्.) 1. सिर की हड्डी, कपाल 2. सिर मुहा. खोपड़ी चाट जाना- बकवास करके कष्ट पहुँचाना; खोपड़ी खाली हो जाना- दिमाग थक जाना; खोपड़ी खुजलाना- चिंतन करना, (व्यंग्य में) पिटने को जी चाहना; खोपड़ी गंजी होना- खूब मार खाना, सिर पर खूब जूते पड़ना।

खोपा पुं. (देश.) छप्पर का कोना, जूड़ा बंधी हुई चोटी, केश-विन्यास का एक भेद, गरी का गोला।

खोमार पुं. (देश.) 1. गड़ढ़ा जिसमें कूड़ा-करकट फेंका जाए 2. सुअरों को बंद करने की झोंपड़ी 3. तंग स्थान या कोठरी।

खोया पुं. (देश.) औटाकर लुगदी जैसा बनाया हुआ दूध, मावा; ईट पाथने का गारा।

खोर स्त्री. (तत्.) 1. संकरी गली, बस्तियों की तंग गली, कूचा 2. नांद, जिसमें चौपायों को चारा दिया जाता है पुं. (देश.) बबूल की जाति का ऊँचा सुंदर पेड़।

खोरना अ.क्रि. (देश.) नहाना, स्नान करना।

खोरनी स्त्री. (देश.) वह लकड़ी जिससे भड़भूँजे बाहर बचा हुआ ईंधन भाड़ के भीतर करते हैं।

खोरा पुं. (देश.) 1. कटोरा, बेला 2. पानी पीने का बर्तन, गिलास।

खोरि स्त्री. (देश.) 1. तंग गली, छोटी कोठरी 2. दोष, बुराई, दोष के रूप में लज्जाजनक बात।

खोल वि. (तत्.) 1. लंगड़ा, विकलांग 2. आवरण, ऊपर से चढ़ा हुआ ढकना, शिरस्त्राण, खोल,

म्यान, मोटी चादर, उछलने कूदने वाले कीड़ों का ऊपरी चमड़ा, जिसे वे समय समय पर बदला करते हैं।

खोलक पुं. (तत्.) 1. शिरस्त्राण, कपाल 2. बाँबी, बल्मीक 3. सुपारी का आवरण या छिलका 4. कटाह 5. कड़ाही, गीचा।

खोलना स.क्रि. (देश.) 1. आवरण, अवरोध हटाना, अनवृत्त करना जैसे- घर में जाने के लिए किवाड़ खोलना आवश्यक था 2. बंधन मुक्त या बंधन-रहित करना जैसे- उसने खूँटे में बंधी गौ को खोल दिया 2. रस्सी की गाँठ खोलना 3. छेद करना 4. किसी बंधी वस्तु को मुक्त करना जैसे- धोती खोलना 5. टाँके हटाना 6. कल पुरजे अलग करना 7. चीरना, उधेड़ना 8. प्रकट करना, जाहिर करना 9. उद्घाटित करना 10. आरंभ करना, चलाना 11. कार्यारंभ करना 12. स्पष्ट करना जैसे- वह श्लोक का अर्थ खोलकर समझाता है।

खोली स्त्री. (देश.) तरकश।

खोली स्त्री. (तद्.) 1. गिलाफ, थैली 2. मोटी चादर 3. कोठरी।

खोवा पुं. (देश.) मावा, खोया।

खोवाई स्त्री. (देश.) (खेवाई) 1. नाव खेने का काम, नाव चलाने की क्रिया 2. नाव खेने की मजदूरी 3. वह रस्सी जो डाँड को नाव से बाँधने के काम आती है।

खोशा पुं. (तद्.) 1. गेहूँ या जौ की बाल 2. फलों का गुच्छा, खोशाची 3. खेत में गिरे दाने चुनने वाला 4. लाभ उठाने वाला 5. दूसरे की विद्या या पांडित्य से लाभ उठाने वाला।

खोसना स.क्रि. (देश.) छिनना, झपटना।

खोह स्त्री. (तद्.) 1. गुहा, गुफा, कंदरा 2. दो पहाड़ों के बीच की तंग जगह, दर्रा।

खोही स्त्री. (तद्.) 1. बच्चों की छतरी 2. घोघी।

खौं स्त्री. (देश.) 1. खात, गड़ढा, अन्न एकत्र करने का गहरा गड़ढा।